अनुक्रमणिका

१–प्रथम अध्याय पुद्गल की परिभाषा पृ० ३–८

१. पुद्गल शब्द की व्युत्पत्ति तथा अर्थ, पृ० ५, २. पुद्गल की परिभाषा और व्याख्या, पृ० ५–८

२–द्वितीत अध्याय पुद्गल के लक्षणों का विश्लेषण पृ० ९–४०

१ पुद्गल द्रव्य है, पृ० ९, २ पुद्गल नित्य तथा अवस्थित है, पृ० ११, ३ पुद्गल अजीव है, पृ० १३, ४. पुद्गल अस्ति है, पृ० १३, ५. पुद्गल कायवाला है, पृ० १४, ६ पुद्गल रूपी है तथैव मूर्त है, पृ० १५, ७ पुद्गल क्रियावान् है, पृ० १८, ८ पुद्गल गलन मिलनकारी है, पृ० २५, ९ पुद्गल परिणामी है, पृ० २९, १० पुद्गल अनन्त है, पृ० ३१, ११ पुद्गल लोक प्रमाण है, पृ० ३२, पुद्गल जीव-ग्राह्य है, पृ० ३२, पुद्गल के उदाहरण, पृ० ३७; अन्य द्रव्य और पुद्गल के गुण, पृ० ३८

३–तृतीय अध्याय . पुद्गल के भेद विभेद, पृ० ४१–५०

पुद्गल का एक भेद, पृ० ४२, परमाणु तथा स्कध, पृ० ४३, दो भेद—सूक्ष्म तथा बाहर, पृ० ४३; दो भेद ग्राह्य तथा अग्राह्य, पृ० ४४, तीन भेद—प्रयोग परिणत, मिश्र

परिणत, विस्रसा परिणत, पुद्गल के चार भेद—स्कन्ध, देश, प्रदेश और परमाणु, पृ० ४५; पुद्गल के ६ भेद—सूक्ष्म सूक्ष्म, सूक्ष्म, सूक्ष्म बादर, बादर सूक्ष्म, बादर और बादर-बादर, पृ० ४६, पुद्गल के २३ भेद, पृ० ४७; पुद्गल के ५३० भेद, पृ० ४७, जाति अपेक्षा से अनन्त भेद, पृ० ४८, भाव गुणाश से अनन्त भेद, पृ० ४९, पर्याय अपेक्षा से अनन्त भेद, पृ० ५०

४—चतुर्थ अध्याय परमाणु पुद्गल पृ० ५१—५८

कारण अणु और अनन्त अणु, पृ० ५२, परमाणु पुद्गल के गुण, पृ० ५४, पुद्गल परिभाषा की कसौटी पर, पृ० ५६

५—पचम अध्याय विभिन्न अपेक्षाओ से परमाणु पुद्गल, पृ० ५९—५८

नाम-अपेक्षा, पृ० ५९, द्रव्य-अपेक्षा, पृ० ५९, क्षेत्र-अपेक्षा, पृ० ५९, काल-अपेक्षा, पृ० ५९, भाव-अपेक्षा, पृ० ५९, नित्यानित्य-अपेक्षा, पृ० ५९, अवस्थित-अपेक्षा, पृ० ६०, अस्ति-अपेक्षा, पृ० ६०, रूप-अपेक्षा, पृ० ६०, आकार अपेक्षा, पृ० ६०, परिणाम-अपेक्षा, पृ० ६१; अगुरु-लघु अपेक्षा, पृ० ६१, शाश्वताशाश्वत-अपेक्षा, पृ० ६२, चरमाचरम-अपेक्षा, पृ० ६२, जीव-अपेक्षा, पृ० ६२, सचित्त अचित्त अपेक्षा, पृ० ६२, आत्मा-अपेक्षा, ६३, प्रदेश-अपेक्षा, पृ० ६३; क्षेत्रप्रदेश-अपेक्षा, पृ० ६३, क्षेत्र

अवस्थान में संगी, पृ० ६४, ज्ञेयत्व-अपेक्षा, पृ० ६४, वर्ण-अपेक्षा, पृ० ६४, रस-अपेक्षा, पृ० ६५, गन्ध-अपेक्षा, पृ० ६५, स्पर्श-अपेक्षा, पृ० ६६; जाति-अपेक्षा, पृ० ६६; स्पर्शता-अपेक्षा, पृ० ६७, द्रव्य-स्पर्शता-अपेक्षा, पृ० ६८, क्रिया तथा गति अपेक्षा, पृ० ६९, प्रतिघाती अप्रघाती अपेक्षा, पृ० ७४, पूर्ण स्वतन्त्रता और अप्रतिघातित्व, पृ० ७५, प्रतिघातों का विवेचन, पृ० ७६

९—पञ्चम अध्याय परिभाषा के सूत्र, पृ० ७९—८०